



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 524]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 30, 2018/ श्रावण 8, 1940

No. 524]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 30, 2018/SHRAVANA 8, 1940

गृह मंत्रालय

(विदेशी प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 2018

सा.का.नि. 722(अ).—केन्द्रीय सरकार, नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57) की धारा 18 की उपधारा (1) और उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नागरिकता (नागरिकों का रजिस्ट्रीकरण और राष्ट्रीय पहचान पत्रों का जारी किया जाना) नियम, 2003 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नागरिकता (नागरिकों का रजिस्ट्रीकरण और राष्ट्रीय पहचान पत्रों का जारी किया जाना) संशोधन नियम, 2018 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. नागरिकता (नागरिकों का रजिस्ट्रीकरण और राष्ट्रीय पहचान पत्रों का जारी किया जाना) नियम, 2003 की अनुसूची के पैरा 6 में—
(i) उपपैरा (1) की दीर्घ पंक्ति में, "ऐसे प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर नागरिक रजिस्ट्रीकरण के स्थानीय रजिस्ट्रार के समक्ष प्रस्तुत करेगा" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—
"भारतीय नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्ट्रार के प्रारूप के प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की समाप्ति के पश्चात् तीस दिन की अवधि के भीतर नागरिक रजिस्ट्रीकरण के स्थानीय रजिस्ट्रार के समक्ष प्रस्तुत करेगा:
परंतु नागरिकों रजिस्ट्रीकरण का महारजिस्ट्रार, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से जनसाधारण से दावों तथा आक्षेपों की प्राप्ति के लिए तीस दिन की अवधि को अधिकतम तीस दिन की और अवधि के लिए बढ़ा सकेगा, यदि उसकी यह राय है कि यथास्थिति, दावों या आक्षेपों को प्रस्तुत करने के लिए तीस दिन की अवधि पर्याप्त नहीं है,";
(ii) उपपैरा (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपपैरा रखा जाएगा, अर्थात्:—
"(3) नागरिक रजिस्ट्रीकरण का स्थानीय रजिस्ट्रार ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को, जिसने उपपैरा (1) के अधीन अपना दावा या आक्षेप फाइल किया है, अपने दावे या आक्षेप के समर्थन में दस्तावेज़, यदि कोई हों, फाइल करने के लिए नोटिस देगा और, यथास्थिति, आवेदक या आक्षेपकर्ता को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात् नागरिक रजिस्ट्रीकरण का जिला रजिस्ट्रार, यथास्थिति, दावे या आक्षेप का निपटारा करेगा।"

[फा. सं. 26011/2/2003-आईसी-1]

अनिल मलिक, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में अधिसूचना संख्यांक सा.का.नि. 937(अ) तारीख 10 दिसंबर, 2003 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् संख्यांक सा.का.नि.803(अ) तारीख 9 नवंबर, 2009 और संख्यांक सा.का.नि. 207(अ) तारीख 23 मार्च, 2010 द्वारा उनमें संशोधन किया गया।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(FOREIGNERS DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th July, 2018

G.S.R. 722(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (3) of the section 18 of the Citizenship Act, 1955 (57 of 1955), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Citizenship (Registration of Citizens and Issue of National identity Cards) Rules, 2003, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Citizenship (Registration of Citizens and Issue of National Identity Cards) Amendment Rules, 2018.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Citizenship (Registration of Citizens and Issue of National Identity Cards) Rules, 2003, in the Schedule, in paragraph 6—
 - (i) in sub-paragraph (1), in the long line, for the words “within a period of thirty days from the date of such publication, before the Local Registrar of Citizen Registration.”, the following shall be substituted, namely:—
“within a period of thirty days after the expiry of thirty days from the date of publication of the draft National Register of Indian Citizens, before the Local Registrar of Citizen Registration:
Provided that the Registrar General of Citizen Registration with the approval of the Central Government may extend the period of thirty days for receipt of claims and objections from the public, for a further period of a maximum of thirty days, if he is of the opinion that the period of thirty days is not sufficient for submitting the claims or objections, as the case may be.”;
 - (ii) for sub-paragraph (3), the following sub-paragraph shall be substituted, namely:—
“(3) The Local Registrar of Citizen Registration shall, give a notice to every person, who has filed his claim or objection under sub-paragraph (1), to file documents, if any, in support of his claim or objection and after giving the reasonable opportunity of hearing the applicant or the objector, as the case may be, the District Registrar of Citizen Registration shall dispose of the claim or objection, as the case may be.”.

[F. No. 26011/2/2003-IC-I]

ANIL MALIK, Jt. Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, sub-section (ii) *vide* notification number G.S.R. 937(E), dated the 10th December, 2003 and was subsequently amended *vide* number G.S.R. 803(E) dated 9th November, 2009 and number G.S.R. 207(E) dated 23rd March, 2010.